UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

डिप्लोमा जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण (डी0पी0एच0सी0एन0-10)

प्रथम छ:माही सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि: 15 जनवरी, 2011

कोर्स शीर्षक: खाद्य स्वच्छता एवं सफाई कोर्स कोड: डी0पी0एच0सी0एन0-03

सत्र: 2010-11 अधिकतम अंक: 20

नोटः प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'क' में 8 (आठ) लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। इन आठ प्रश्नों में से अभ्यर्थी को केवल चार प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 2.5 (ढाई) अंको का है। इस प्रकार खण्ड 'क' के लिए कुल 10 (दस) अंक निर्धारित हैं। खण्ड 'ब' में कुल 4 (चार) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंको का है तथा अभ्यर्थी को केवल दो प्रश्न हल करने हैं। इस प्रकार खण्ड 'ब' के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. खाद्य सुरक्षा में व्यक्तिगत स्वच्छता का क्या योगदान है
2. भोज्य पदार्थों के सह संदूषण पर किस प्रकार नियंत्रण रखा जा सकता है
3. स्वच्छता तथा घरेलू साफ सफाई में क्या सम्बन्ध है उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
4. भौतिक संदूषण से खाद्य पदार्थों में कैसे दुष्प्रभाव पड़ता है, विस्तार पूर्वक समझाइए।

5. टिप्पणी करें-
   - शिजेलौसिस
   - बैसिलस सेरस
   - सैलमोनेलोसिस

6. प्राकृतिक रुप में बिना खराब हुए बने रहने की क्षमता के आधार पर खाद्य पदार्थों का उदाहरण सहित वर्गीकरण कीजिए।

7. खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी नियमों की आवश्यकता क्यों है

8. HACCP (Hazard Analysis Critical Control Point) की उपयोगिता समझाइए।

खण्ड 'ब'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भोजन में रासायनिक संदूषण से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

2. सैलमोनेलोसिस के कारण, लक्षण व संरचना की विस्तार पूर्वक व्याख्या करें।

3. विभिन्न प्रकार के खाद्य संक्रमणों की विस्तृत जानकारी दीजिए।

4. गुणवत्ता मानक से क्या अभिप्राय है इसके लिए क्या विशिष्ट आवश्यकताएं होती हैं